एच.आई.वी/एड्स जागरूकता कार्यक्रम

कार्यक्रम आयोजित संस्थाः— *शासकीय नारायण राव मेधावाले कन्या महाविद्यालय धमतरी (क्रीड़ा विभाग/रेडक्रास विभाग)*

दिनॉकः— *02/12/2024*

उद्देश्यः—

एड्स जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज, विशेषकर युवाओं और छात्राओं को एचआईवी एड्स के प्रति शिक्षित करना और इसके प्रति जागरूकता फैलाना है।

कार्यक्रम का विवरणः—

कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिता राजपुरिया के निर्देशन में हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. एस. मधुप एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिता राजपुरिया द्वारा दीप प्रज्वलन से शुभारम्भ करके किया गया। संस्था के प्रमुख, ने सभी उपस्थित लोगो का स्वागत किया और कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात, विषय विशेषज्ञ डॉ. एस. मधुप, ने एड्स के संक्रमण के कारण, लक्षण और बचाव के तरीकों पर एक विस्तृत जानकारी प्रदान किया। डॉ. मधुप ने बताया कि यह संक्रमण मुख्यतः असुरक्षित यौन संबंध, सवंमित सुई के उपयोग, संक्रमित खून चढ़ाने और माता से बच्चे तक हो सकता है।

मुख्य बिंदुः—

- *एचआईवी एड्स का कारण वायरस का संक्रमण है।*
- *संक्रमण के लक्षण से बार—बार बुखार आना, वजन घटना, त्वचा पर लाल चकत्ते, इत्यादि।*
- *बचाव के उपाय के रूप में*
    - *सुरक्षित यौन संबंध बनाना।*
    - *नशीली दवाओं का उपयोग न करना।*
    - *स्वच्छ और नई सुइयों का उपयोग।*
    - *संक्रमित खून के उपयोग से बचाव।*
    - *समाज में जागरूकता फैलाना एड्स के प्रति किसी भी प्रकार का भेदभाव न करना।*

मुख्यवक्ता डॉ. एस. मधुप जीएड्स पर व्याख्यान देते हुए

समाज में जागरूकता हेतु शपथ लेते हुए विभाग के अधिकारी/कर्मचारी एवं छात्राएं

महाविद्यालय की प्राचार्य ससम्मान प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए

दैनिक भास्कर धमतरी 05-12-2024

कन्या कॉलेज में एड्स को लेकर जागरूकता पर कार्यशाला हुई

धमतरी। छात्राओं को एड्स के प्रति जागरूक करते डॉक्टर।

भास्कर न्यूज | धमतरी

शासकीय नारायण राव मेघावाले कन्या कॉलेज धमतरी में विश्व एड्स जागरूकता दिवस पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. एस मधुप, डॉ. शालिनी कुमारी थे। विशेष रूप से सूरज देव, पूनम देव मौजूद रहे।

डॉ. एस मधुप ने कहा कि एड्स संक्रमित बीमारी है, जिसका इलाज संभव नहीं है, किंतु सावधानियों से बचा जा सकता है। हमारा जीवन अनमोल है, इसलिए सतर्कता ही बचाव है। अगर किसी व्यक्ति को एचआईवी पॉजीटिव पाया जाता है, तो उनको दवाई द्वारा इम्युनिटी पावर बढ़ाकर अधिक से अधिक दिन तक जीवित रखने का प्रयास करते हैं। डॉ. शालिनी कुमारी ने बताया कि एक ही इंजेक्शन को बार-बार उपयोग करने, असुरक्षित यौन संबंध, ब्लड रिलेशन से एड्स की बीमारी होती है, इसलिए हमें संक्रमित होने के कारणों की जानकारी से बचाव करना चाहिए। वक्ताओं को प्राचार्य डॉ. अनीता राजपुरिया ने प्रशस्ति पत्र दिया। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक डॉ. रोहिणी मरकाम, तीजन साहू, जयश्री रणसिंह उपस्थित थे।

सावधानी बरतना ही एड्स का बचाव- डॉ. मधुप

धमतरी। शासकीय नारायण राव मेघावाले कन्या महाविद्यालय धमतरी में एड्स जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ एस मधुप चिकित्सा अधिकारी जिला चिकित्सालय धमतरी, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ शालिनी कुमारी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में सूरज देव, पूनम देव उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता डॉ एस मधुप ने कहा कि एड्स संक्रमित बीमारी है जिसका इलाज संभव नहीं है, किंतु सावधानियों से बचा जा सकता है, हमारा जीवन अनमोल है, इसलिए सतर्कता ही बचाव है। डॉ शालिनी कुमारी ने बताया कि एक ही इंजेक्शन को बार-बार उपयोग करने से, असुरक्षित यौन संबंध से, ब्लड रिलेशन से एड्स की बीमारी होती है, इसलिए हमें संक्रमित होने के कारणों की जानकारी रखकर बचाव करना चाहिए। कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक डॉक्टर रोहिणी मरकाम, तीजन साहू जयश्री रणसिंह उपस्थित रहे। संचालन सतीश साहू व आभार मधुमाधव देव ने किया।

कन्या कालेज में एड्स दिवस पर हुई जागरूकता कार्यशाला

धमतरी। शासकीय नारायण राव मेघावाले कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. अनीता राजपुरिया के निर्देशन में विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. एस.मधुप चिकित्सा अधिकारी जिला चिकित्सालय धमतरी, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. शालिनीकुमारी एवं विशिष्ट अतिथि सूरज देव एवं पूनम देव थे। मुख्य वक्ता डॉ. मधुप ने कहा कि एड्स संक्रमित बीमारी है जिसका इलाज संभव नहीं है, किंतु सावधानियों से इससे बचा जा सकता है। हमारा जीवन अनमोल है, इसलिए सतर्कता ही बचाव है। डॉ शालिनी कुमारी ने बताया कि एक ही इंजेक्शन को बार-बार उपयोग करने से, असुरक्षित यौन संबंध से, ब्लड रिलेशन से एड्स की बीमारी होती है, इसलिए संक्रमित होने के कारणों की जानकारी रखकर बचाव करना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सहायक प्राध्यापक डॉ.रोहिणी मरकाम, तीजन साहू, जयश्री रणसिंह समेत बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक सतीश साहू व आभार प्रदर्शन सहायक प्राध्यापक मधुमाधव देव ने किया।

कार्यक्रम का पत्र संचार माध्यम से कवरेज की फोटो

परिणामः–

कार्यक्रम में लगभग 100 से अधिक छात्राएं उपस्थिति थी, सभी लोगों ने उक्त कार्यक्रम में भाग लिया, जिनमें महाविद्यालय के अधिकारी/कर्मचारी, छात्राए और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े व्यक्ति शामिल थे। कार्यक्रम ने चिकित्सा अधिकारियों के द्वारा एड्स के प्रति जागरूक बनाने और इसके बचाव के महत्व को समझाने में अहम भूमिका निभाई। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की सराहना की और महाविद्यालय में और समाज में इस प्रकार के और कार्यक्रम आयोजित करने की मांग की।

रक्तदान शिविर का आयोजन

कार्यक्रम आयोजित संस्थाः— *शासकीय नारायण राव मेधावाले कन्या महाविद्यालय धमतरी*

(क्रीड़ा विभाग/रेडक्रास विभाग)

दिनॉकः— *12/12/2024*

उद्देश्यः—

रक्तदान शिविर कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रक्त की कमी को पूरा करने के लिए रक्त संग्रह करना और लोगों को रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूक करना।

कार्यक्रम का विवरणः—

कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अनिता राजपुरिया के मार्गदर्शन में हुई। मुख्य अतिथि डॉ. लोकेश साहू, डॉ. पुजा गायकवाड़ एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिता राजपुरिया वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.आर. चौधरी द्वारा दीप प्रज्वलन से शुभारम्भ करके किया गया।

महाविद्यालय में रक्तदान करते हुए अधिकारी/कर्मचारी एवं छात्राएं

रक्तदान शिविर में सभी रक्तदाताओं को जिला चिकित्सालय एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अनिता राजपुरिया के द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए

परिणामः—

महाविद्यालय में अभी तक कुल 14 लोगो ने रक्तदान किया है धमतरी नगर का एक मात्र कन्या महाविद्यालय होने के कारण भी छात्राओं में रक्तदान करने की सख्या बढ़ती जा रही है। रक्तदान शिविर कार्यक्रम में रक्त की कमी को पूरा करने में मदद मिली और अस्पतालों में रक्त की आपूर्ति सुनिश्चित की गई। महाविद्यालय की छात्राओं को रक्तदान के महत्व के बारे में बताया गया और उन्हें रक्तदान के लिए प्रेरित किया गया। रक्तदान को बढ़ावा मिला जिससे समाज के जरूरतमंद लोगो को निःशुल्क रक्त मिल सके।

प्रायार्च डॉ. अनिता राजपुरिया – शासकीय नारायण राव मेघावाले कन्या महाविद्यालय धमतरी (छ.ग.)

भारत की 48.4 प्रतिशत आबादी महिलाओं की है। 51.6 प्रतिशन आबादी पुरूषों की है विश्व स्वास्थ्य अनुसार पूर्वी एशिया क्षेत्र में रहने वाले एच.आई.वी./एड्स के साथ रह रहे 1.6 लाख युवाओं में 1.4 लाख भारत में है महिलाओं में एच.आई.वी. के संदर्भ में जागरूकता कम है। विशेषकर ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों की किशोरियां और युवतियों, महिलाओं एवं पुरूषों में एच.आई.वी. संक्रमण बढ़ रहा है। अतः एड्स दिवस के अवसर पर महिला महाविद्यालय में अध्ययनरत् छात्राओं को एड्स के विरूद्ध जागरूक करना महती आवश्यकता है।